पहले मैच में इलाहाबाद ने एसईसीआर को हराया

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर,18 मार्च। इंटर रेलवे क्रिकेट के पहले ही मैच में एसईसीआर की क्रिकेट टीम ने खराब खेल का प्रदर्शन किया। टीम इलाहाबाद से मात्र 4 रन से हारकर टीम पैवेलियन लौट गई।

इंटर रेलवे क्रिकेट स्पर्धा

इंटर रेलवे क्रिकेट स्पर्धा सेंट्रल रेलवे की मेजबानी में मुंबई में चल रही है। बुधवार को स्पर्धा का उद्घाटन मैच खेला गया। पहले दिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर एवं एनसीआर इलाहाबाद की टीम के बीच मैच खेला गया। इलाहाबाद की टीम ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इलाहाबाद टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 205 रन बनाया और बिलासपुर की टीम को 206 रन का लक्ष्य दिया।

यह लक्ष्य बिलासपुर की टीम के लिए आसान माना जा रहा था। लेकिन बिलासपुर के खिलाड़ियों ने लापरवाही पूर्वक बल्लेबाजी की जिसका नतीजा यह रहा कि अंतिम 50 वें ओवर तक खिलाड़ियों को एक-एक रन के लिए संघर्ष करना पड़ा।

अंतिम ओवर में बिलासपुर को 8 रन बनाना था लेकिन इलाहाबाद की कसी हुई गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण ने बिलासपुर के बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिया। अंतिम ओवर में बिलासपुर के खिलाड़ी मात्र 3 रन ही बना पाए। इस तरह से बिलासपुर की टीम इंटर रेलवे का अपना पहला मैच 4 रन से हार गई।

ट्रिगर पर टाइगर, पंजे पर इंसान

पहले पेज से आगे

एक समय ऐसा भी आया, जब 2004 में ग्रामीणों और सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा एहतियाती कदम उठाने की वजह से इन घटनाओं की संख्या नहीं के बराबर रही लेकिन इसके बाद फिर इन घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। ऐसा खासतौर से इस वजह से हुआ कि बांग्लादेश के हिस्से में आने वाले सुंदरबन में आइला नामक समुद्री तूफान से भारी तबाही हुई और इससे यहां के बाघ अपने भोजन के पारंपरिक स्रोतों से वंचित हो गए।

इस वजह से बांग्लादेश के अधिकार वाले सुंदरबन से बड़ी संख्या में बाघ भारत के अधिकार वाले सुंदरबन में आ गए।

एहतियाती कदम

स्थानीय लोग और सरकारी अधिकारी-कर्मचारी बाघों के हमले रोकने के लिए कुछ एहतियाती कदम उठाते हैं। स्थानीय मछुआरे अपने काम पर निकलने से पहले वन देवी की प्रार्थना और पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा सुंदरबन में सुरक्षित आवाजाही के लिए स्थानीय लोग बाघ देवता की पूजा-अर्चना को भी आवश्यक मानते हैं।

मछुआरे और लकड़हारे बाघ से बचने के लिए तरह-तरह के मुखौटों का भी इस्तेमाल करते रहे हैं। इन मुखौटों को सिर के पीछे बांधा जाता है क्योंकि बाघ हमेशा पीछे ही हमला करता है। यह तरीका कुछ समय के लिए कारगर बना रहा लेकिन समय गुजारने के साथ बाघों को इस बात का अहसास हो गया कि उन्हें झांसा देने के लिए यह तरीका अपनाया जा रहा है। सरकारी अधिकारी-कर्मचारी अमेरिकी फुटबॉल खिलाड़ियों की तरह पीठ से गर्दन तक का कड़ा पैड पहनते हैं। यह इसलिए किया जाता है कि बाघ रीढ़ पर हमला न कर सकें।

क्यों होता है हमला ?

किसी को पक्के तौर पर यह पता नहीं है कि सुंदरबन के बाघ आम लोगों के प्रति इतने आक्रामक और हमलावर क्यों है। लेकिन वैज्ञानिकों जीव-विज्ञानियों और अन्य विशेषज्ञों ने इस बारे में अनुमान जरूर लगाए हैं कि यहां के बाघ किन कारणों से इतने आक्रामक क्यों हैं। इसके कई कारण है जिनकी तह में जाना जरूरी है।

1. सुंदरबन चूंकि समुद्र तटीय क्षेत्र में स्थित है इसलिए यहां का पानी अपेक्षाकृत खारा है। देश के अन्य हिस्सों में जहां बाघ रहते हैं। वहां उन्हें ताजा और मीठा पानी पीने को मिलता है। ऐसा अनुमान है कि खारे पानी की वजह से सुंदरबन के बाघ तरह-तरह के रोगों से पीड़ित हैं और वे हमेशा बेचैन रहते हैं। इसकी वजह से वे ज्यादा आक्रामक हैं। सुंदरबन में ताजे पानी की मानव-निर्मित झीलें बनाने के प्रयास किए गए लेकिन यह प्रयास सफल नहीं रहा।

2. प्रत्येक बाघ का जंगल के एक हिस्से पर राज होता है। बाघ अपने हिस्से को अपने मूत्र से चारों ओर से घेरता है। लेकिन ज्वार-भाटे की वजह से उसकी यह बाउंड्री तहस-नहस हो जाती है। इस स्थिति में बाघ को नहीं पता चलता कि उसके राज वाली जमीन की बाउंड्री कहां से कहां तक है। इसलिए वह अपने आसपास आने वाले सभी पशुओं और आम लोगों पर आक्रामक तरीके से वार करता है, जिससे उसका इलाका सुरक्षित रह सके।

3. एक संभावना यह है कि समुद्र तटीय इलाकों के मौसम की वजह से यहां के बाघों को आदमी का मांस खाने की आदत पड़ गई है। सुंदरबन के इलाके में समुद्री और चक्रवाती तूफान से बड़ी संख्या में लोग मरते हैं। इनका शव बहकर सुंदरबन के जंगली इलाकों के दलदली पानी में आ जाता है। यहां बाघ इन शवों को खाकर अपना पेट भरते हैं।

4. अनुमान लगाया जाता है कि समय-समय पर आने वाले उच्च और निम्न ज्वार-भाटे की वजह से यहां की जमीन दलदली और फिसलन भरी हो जाती है। इस स्थिति में बाघों के लिए अन्य जानवरों का शिकार करना काफी मुश्किल हो जाता है। शहद इकट्ठा करने और मछली मारने के लिए बड़ी संख्या में लोग नावों से आवाजाही करते हैं। वे अक्सर बाघों का शिकार बन जाते हैं। यह भी माना जाता है कि ये लोग जब अपना

14 मार्च के अंक में हमने सुंदरवन के एक दूसरे पहलू पर लिखा गीताश्री की रिपोर्ट प्रकाशित की थी।

काम करने के लिए नाव से किनारे उतरते हैं तो बाघों को लगता है कि कोई जानवर आया है। बाघ उनका शिकार कर लेते हैं और इस तरह बाघों को आदमी के मांस का स्वाद पसंद आने लगा है।

5. यह भी कहा जाता है कि सुंदरबन में बाघ चूंकि एकांत जंगल में रहते हैं, इसलिए उन्हें अवैध शिकारियों के आतंक का सामना नहीं करना पड़ता है। लेकिन ऐसा है नहीं। दलदली जंगल में भी शिकारियों की घुसपैठ बनी हुई है। स्थानीय लोगों की मदद से वे हिरण और बाघों का शिकार कर रहे हैं। हिरण कम हो रहे हैं। बाघों को भोजन नहीं मिल रहा। नतीजा ये कि वे भोजन की तलाश में नदी तैर कर पास के गांवों में घुस आते हैं। इसकी वजह खुद स्थानीय लोग भी हैं। उनकी भूमिका भी खासी संदिग्ध है। हिरण के मांस खाने के शौकीन वहां घूमने आते हैं तो स्थानीय लोगों से कोड में बात करते हैं...सफेद मांस चाहिए...और हाजिर। मतलब ये कि शिकारियों और तस्करों की चांदी है।

मनुष्यों पर होने वाले हमलों को रोकने के लिए सरकार सुंदरबन के इलाके में हिरणों को छोड़ने का काम कर रही है। हाल ही में सरकार ने सुंदरबन में 63 हिरण छोड़े जाने की घोषणा विधानसभा में की। लेकिन इस तरह हिरणों को सुंदरबन में छोड़े जाने को लेकर कई पेंच हैं।

एक गैर सरकारी संगठन नेचर इनवायरमेंट ने बाघ संरक्षण प्राधिकरण को पत्र लिखकर मांग की है कि सुंदरबन में बाघों की सही संख्या जानने के लिए एक वैज्ञानिक शोध होना चाहिए। 2001 में बाघों की अंतिम जनगणना के अनुसार वहां 274 बाघ थे। उसने दावा किया कि हिरणों को छोड़ने का काम अवैज्ञानिक तरीके से किया गया है। संगठन ने कहा है कि शिकार में कमी के कारणों का अध्ययन समय की जरूरत है। दूसरी ओर हिरण छोड़ने के फैसले को न्याय संगत ठहराते हुए सुंदरबन टाइगर रिर्जव फील्ड ने निदेशक सुब्रत मुखर्जी का कहना है कि बाघ शिकार की कमी के कारण मानव आवासों को अपना निशाना बना रहे हैं। इसीलिए हिरणों को छोड़ा जाना तर्कसंगत है।

लेकिन इन सबों से अलग इलाके के गांव वाले भी बाघों से जब तब बदला लेते रहते हैं। बाघ के हमले से भयभीत रहने वाले और बाघों द्वारा उनके मवेशियों को मारने की वजह से गुस्से में स्थानीय ग्रामीण कभी-कभी बदला लेने के लिए बाघ को मौत के घाट उतार देते हैं। इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा अवैध शिकारी भी काले बाजार में बाघों के शरीर के हिस्सों को बेचने के लिए उन्हें मौत के घाट उतारते हैं। इस तरह की घटनाएं भी अक्सर होती रहती है।

(सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के तहत किए गए अध्ययन का हिस्सा)

अंक जाल - 1298

	7	13	31	15	24		18	36	
25	2		5		9		2		9
28		8		5				7	9
			2		7		3		34
14		s5				7		9	29
18	2		8				3		16
25		5		5		3			
11	4				5		6		31
14		8		7		5		7	28
	18	28		25	14	39	12	11	

खाली जगहों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर बाएं से दाएं व ऊपर से नीचे जोड़ें, उत्तर मटमैले रंग में दिया गया है। चारों कोनों में दी गई संख्या की जोड़ दोनों ओर से एक समान होनी चाहिए।

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

सुडोकू - 1488 (Easy)

		1	5		2		8	4
7			8	4	6	3	1	
						2		
	8	9		6		1		7
2	6						3	8
3		7		8		4	6	
		8						
	7	6	3	1	5			2
1	2		7		8	6		

इस पहेली की खाली जगहों में एक से नौ के बीच के अंक भरे जाने हैं। किसी भी आड़ी या खड़ी पंक्ति में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है 3-3 के प्रत्येक ब्लाक दिए गए हैं। किसी ब्लाक में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है।

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

मिनी सुडोकू - 359

2	6		5		4
		2	4		1
1		4	6		
5		6			2

इस पहेली की खाली जगहों में एक से 6 के बीच के अंक भरे जाने हैं। किसी भी आड़ी या खड़ी पंक्ति में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है किसी ब्लाक में किसी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है।

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51 हजार का अंशदान

बिलासपुर,18 मार्च। छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के अध्यक्ष श्यामलाल चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह से बुधवार को रायपुर में विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंनें मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिये 51 हजार रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस योगदान के लिये उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संसदीय सचिव भैयालाल राजवाड़े और विधायक भीमा मण्डावी सहितसा हित्यकार रामनारायण शुक्ल भी उपस्थित थे।

बच्चों को साक्षर बनाएं: गुप्ता

ग्रामीणों को दी गई कानूनी जानकारी

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बिलासपुर,18 मार्च। ज्यादातर अपराध गरीबी, शराब व अशिक्षा के कारण होते हैं। खुशहाल जिंदगी के लिए मेहनत कर अर्थोपार्जन करें। शराब से दूर रहें। बच्चों को पढ़ाकर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें। उक्त बातें व्यवहार न्यायधीश उर्मिला गुप्ता ने कोटा ब्लाक के ग्राम बहेरामुड़ा में विधिक साक्षरता शिविर में कही।

शिविर में ग्रामीणों को जानकारी देते उर्मिला गुप्ता ने कहा कि शराब की वजह से पारिवारिक कलह बढ़ता है। परिवार में बिखराव आता है। ऐसे परिवार के बच्चे उन्मुक्त होकर अपराध की ओर बढ़ते हैं। उन्होंने प्लास्टिक की थैलियों से पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी जानकारी भी प्रदान की। शिविर में डिप्टी रेंजर एलपी त्रिपाठी, अधिवक्ता रवि गंधर्व, सुनील साहू, सतीश जोशी, आरके यादव, दिलीप तिवारी, देवेन्द्र उपाध्याय, विश्वनाथ शर्मा ने भी ग्रामीणों को कानून के साथ शासन की योजनाओं व सुविधाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी।

'मनरेगा' में फर्जीवाड़ा, जुर्म दर्ज

कांकेर,18 मार्च। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में फर्जीवाड़ा के आरोपी पूर्व सरपंच, सचिव तथा रोजगार सहायक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया। वर्ष 2008 में राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत कोयलीबेड़ा से खुटगांव तक मिट्टी सड़क निर्माण तथा स्कूल मैदान समतलीकरण कार्य हुआ था। निर्माण कार्य में फर्जी मास्टर रोल तैयार की शिकायत के आधार पुलिस जांच कर रही थी। पुलिस ने पूर्व सरपंच लक्ष्मी दुग्गा तत्कालीन सचिव श्यामसिंह आंचले तथा पूर्व ग्राम रोजगार सहायक लच्छत ध्रुव के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया।

श्रद्धापूर्वक झूलेलाल जयंती हुई

कांकेर,18 मार्च। सिंध समाज के श्री झूलेलाल सेवा मंडल ने झूलेलाल जन्म उत्सव श्रद्धा और धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर झूलेलाल मंदिर की विशेष साज-सज्जा की गई थी प्रात: 8 बजे ईष्टदेव की प्रतिमा का दुग्ध स्नान व लाल सांई जी की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के बाद मोटर साइकिल रैली निकाली गई।

बालक छात्रावास में सुविधाओं की कमी

तोमन लाल

मगरलोड,18 मार्च (छत्तीसगढ़)। ब्लॉक मुख्यालय मगरलोड में पिछले 5-6 वर्षों से संचालित 30 बिस्तर अनुसूचित जाति बालक की हालत खराब है। यहां रहने वाले छात्रों ने अधीक्षक के नहीं रहने की शिकायत करते हुए कहा कि मीनू के अनुसार भोजन नहीं मिलता। साथ ही यहां सुविधाएं की कमी है। इस संबंध में छात्रावास अधीक्षक श्री जांगड़े का कहना है कि बच्चे झूठ बोल रहे हैं।

इस संबंध में सहायक आयुक्त प्रज्ञान सेठ ने कहा कि जल्द ही व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। साथ ही श्री सेठ ने छात्रावास में सुविधाओं की कमी को स्वीकार किया। उन्होंने अधीक्षक को तत्काल स्थिति में सुधार करने के निर्देश देने की जानकारी दी।

छात्रावास के बच्चों ने बताया कि यहां बहुत ज्यादा अव्यवस्था है जिससे हमें परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां 1 महीने से बोर खराब है, नाले में नहा रहे हैं। हम पिछले 3 महीने से मात्र आलू की सब्जी ही खा रहे है। हमें मीनू के अनुसार कभी भी भोजन नहीं दिया जाता है। छात्रों ने बताया कि इस संबंध में कई बार अधीक्षक को भी कहा गया है लेकिन वे हमें डांट देते हैं। साथ ही छात्रा ने अधीक्षक के छात्रावास में नहीं रहने की बात बताई। वे हफ्ते में 1 दिन रुककर अपना दायित्व निभा लेते हैं।

छात्रों ने बताया कि यह अब तक कम्प्यूटर नहीं दिया गया है। चावल में कंकड़ रहते हैं, दाल नहीं बनते हैं। पलंग टूटे हुए हैं। यहां चादर तथा मच्छरदानी नहीं है। फ्रिजर दो साल से बिगड़ा पड़ा है छात्रों ने बताया कि इस छात्रावास में इतनी अव्यवस्था के बावजूद मजबूरी में 10-12 लड़के ही है। यहां के सेप्टिक टैंक की बदबू छात्रावास सहित मोहल्ले वाले भी काफी परेशान है। शौचालय में गंदगी रहती है। यहां के दरवाजे टूटे हुए है। यहां की पानी टंकी में भी साफ-सफाई का अभाव है।

गणित का चौराहा -1218

	-		+		6
+		×		-	
	+		-		5
/		-		-	
	+		-		0
11		35		-1	

हल करने का समय, शुरु..... खत्म.....

खाली जगहों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर समीकरण को पूरा करें। किसी भी अंक का दोबारा इस्तेमाल नहीं करना है। प्रत्येक आड़ी या खड़ी पंक्ति एक गणित समीकरण है। याद रहे कि गुणा और भाग पहले करना है, जोड़ व घटाना बाद में।

इसका उत्तर ढूंढें आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर

Name, Fame and Game-1405

आज हम दे रहे है भारतीय आर्ट फिल्मों के नाम जो अंग्रेजी अक्षरों की इस भीड़ में आपको ढूंढना है। नाम के हिज्जे अंग्रेजी में हैं और ये दाएं से बाएं, बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर या तिरछे- किसी भी दिशा में हो सकते हैं। उत्तर आज ही के अंक में किसी पृष्ठ पर। इन नामों की फेहरिस्त लंबा होने से हम इन्हें किस्तों में ले रहे हैं।

N

W E

T	U	M	L	A	U	T	A	A	O	C	Z	H	J	P	N	C	O
M	U	T	S	A	V	W	X	D	Y	P	T	K	X	A	A	B	E
B	A	Y	G	F	K	R	V	S	I	A	Y	T	V	N	M	V	A
O	A	A	E	L	A	H	C	R	A	A	B	K	E	C	K	I	C
E	R	A	T	N	T	H	T	S	T	D	R	L	A	H	E	H	S
U	W	T	V	I	O	G	H	B	X	C	G	B	I	V	E	D	A
G	A	A	H	L	M	T	N	A	D	O	G	A	Y	A	N	N	N
U	H	G	I	A	A	A	Z	V	G	R	A	X	T	T	W	A	J
B	N	M	H	A	B	W	N	F	Z	Z	Y	V	R	I	Q	G	H
X	N	D	S	A	P	U	M	A	H	E	E	H	A	K	N	A	I
R	A	A	P	C	A	L	S	F	S	G	A	H	P	L	D	G	A
P	M	S	H	O	C	T	N	P	N	L	L	D	U	Q	J	P	G
Z	L	R	E	O	G	U	Z	A	A	W	X	M	H	P	E	B	V
Z	A	A	U	M	R	E	N	P	R	K	A	E	W	I	B	Z	D
W	Y	A	W	Q	I	A	E	K	A	D	T	I	W	C	E	R	A
I	V	H	F	H	I	T	A	K	A	R	A	O	S	A	H	E	B
I	R	I	D	H	L	L	I	P	S	H	V	E	V	W	A	Z	H
B	S	G	S	B	A	M	R	H	T	A	R	A	N	G	S	T	H
U	E	A	A	S	A	E	M	O	L	E	F	A	N	R	Y	M	W
E	A	V	U	N	R	J	P	W	E	E	S	C	F	X	E	R	Z
T	F	R	I	A	M	P	A	M	N	O	D	I	L	V	S	D	U
D	A	T	N	R	N	A	L	N	O	S	K	W	S	S	S	M	O
J	K	A	N	F	B	X	R	R	A	N	Z	R	E	P	A	C	O
U	H	S	I	H	S	V	E	D	F	M	G	U	W	N	M	L	M

S

AARAHAN, AASHIANA, AGHAAT, ANKAHEE, BHAVNA, DAMUL, DEVSHISHU, EKBAARCHALEAAO, GANDHI, GODAN, HOLI, JANAM, KALASURAJ, MAATIMANAS, MASSEYSAHEB, NAMKEEN, NASOOR, NEWDELHITIMES, PAAR, PANCHVATI, PARTY, PRERANA, RAAHI, RAMNAGRI, RAOSAHEB, SAARANSH, SAATHSAATH, SADGATI, SANJHI, SUBAH, TARANG, TUMLAUTAAO, UTSAV

छत्तीसगढ़ शब्द पहेली क्रमांक-1458

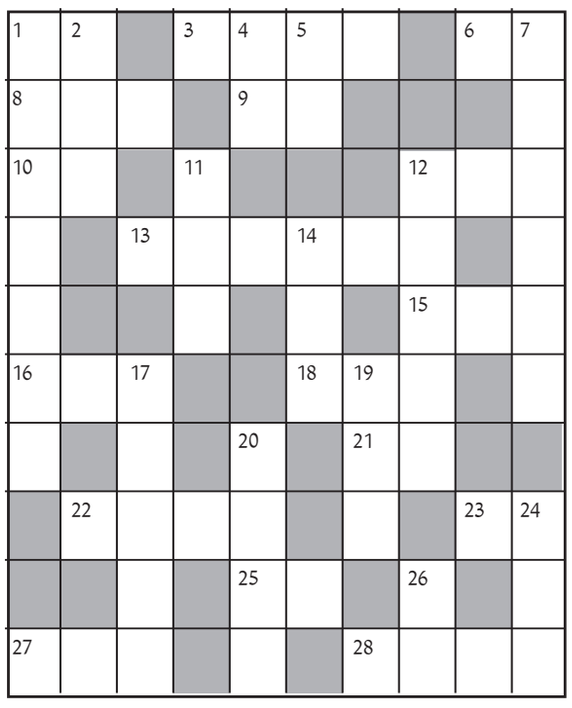

(उत्तर आज के ही अंक में किसी पृष्ठ पर)

संकेत :-

बाएं से दाएं :-

1. भला, ठीक, स्वस्थ
3. अर्धनिद्रा की अवस्था
6. खीसा, पाकेट
8. एक प्रकार का मादक पदार्थ
9. मद, उन्माद
10. व्यसन, आदत
12. खुशबू, सुगंध
13. पश्चिम बंगाल सरकार का तृणमूल कांग्रेस के बीच का एक मामला
15. पालतू पक्षियों के रखने का स्थान
16. प्रेम, इरादा
18. पदक, मेडल
21. शीशे की बर्नी अथवा जग
22. घृणा
23. शबनम
25. उचित, श्रेष्ठ
27. आटा आदि छानने के बाद का शेष पदार्थ
28. आरजू, इच्छा

ऊपर से नीचे :-

1. धोनी के क्रिकेट गुरु
2. नस्ट, बर्बाद, ध्वंस
4. नमक
5. अवस्था, हालत
7. अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार
11. झूम बराबर झूम शराबी कव्वाली में शराब को इसकी बेटी बताया गया है
12. सहायक सहयोगी
14. पिछला, भूतकाल का
17. पक्षपाती, समर्थक
19. समाधि
20. मन को हरने वाला
24. बर्दाश्त, घर के सामने का खुला स्थान
26. गीला, भीगा हुआ

◆ सईद खान लवी